जोश और उत्साह के साथ मनाया गया पश्चिम रेलवे का 71 वां स्थापना दिवस

मुंबई। पश्चिम रेलवे पर 71 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मंडल कार्यालय भवनों, प्रमुख रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ हेरिटेज इंजनों को विशेष रूप से सुंदर रोशनी से सुसज्जित किया गया था। इस अवसर को उपयुक्त रूप से मनाने के लिए और एक बड़े और पर्यावरण-अनुकूल संकेत के रूप में पश्चिम रेलवे में महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल मुख्यालय में तथा मंडल कार्यालयों में संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों और रेलवे अधिकारियों ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। इस गौरवशाली अवसर को और अधिक यादगार बनाने के लिए, शुक्रवार, 12 नवम्बर, 2021 को मुंबई सेंट्रल स्थित रेल निकुंज में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसे यूटचूब पर लाइव स्ट्रीम भी किया गया था। इस समारोह में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार समारोह के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल ने पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री प्रकाश बुटानी और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा श्रीमती कमलेश बुटानी के साथ औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित किया। पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि पश्चिम रेलवे ने हमेशा नई तकनीकों को अपनाया है और तकनीकी प्रगति के साथ ही साथ इसने अपनी गौरवशाली विरासत को भी बरकरार रखा है।

सभा को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल ने पश्चिम रेलवे के सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। पश्चिम रेलवे हमेशा अपने सम्माननीय यात्रियों को सर्वोत्तम संभव सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करने में सबसे आगे रही है। पश्चिम रेलवे दर्शन के सिद्धांतों को लागू करके प्रगति के पथ पर चल रही है। राष्ट्र प्रथम सर्वदा प्रथम, अंत्योदय और सामाजिक समरसता, ज़ीरो टॉलरेंस और हंगरी फॉर कार्गो के साथ हम माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान, 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' पर भी निष्ठापूर्वक पालन कर रहे हैं। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न सबसे कठिन चुनौतियों के बावजूद पश्चिम रेलवे ने कई उल्लेखनीय सफलताएँ प्राप्त की हैं, जिसमें उसने आपदा को न केवल अवसरों में बल्कि उपलब्धियों में बदलकर विकास के नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि उन्हें अपने पूरे कार्यबल पर गर्व है, जिन्होंने अपने संयुक्त प्रयासों से पश्चिम रेलवे को और अधिक ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और उत्कृष्टता और उपलब्धियों की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने आगे सभी से सम्मानित यात्रियों की आकांक्षाओं को पूरा करने और पूरे दिल और ऊर्जा के साथ देश की सेवा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने का संकल्प लेने का

आह्वान किया। अंत में श्री कंसल ने कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए कविता की कुछ पंक्तियाँ भी सुनाईं।

श्री ठाकुर ने आगे कहा कि इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री कंसल ने डिजिटल माध्यम से पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों के लाभ के लिए कई सुविधाओं का उद्घाटन भी किया. वडोदरा मंडल में, ट्रैकमैनों के लिए डेरोल स्टेशन पर आठ रेलवे क्वार्टरों का उद्घाटन किया गया।राजकोट डिवीजन में, राजकोट में गेटकीपरों के लिए 16 रेलवे क्वार्टर और अधिकारियों के लिए चार क्वार्टर का उद्घाटन किया गया, जबकि मोरबी और सुरेंद्रनगर रनिंग रूम में नेचुरल वाटर कूलर का शुभारम्भ किया गया। रतलाम मंडल में नामली स्टेशन पर आठ स्टाफ क्वार्टरों एवं रतलाम में विस्तारित रनिंग रूम का भी उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर पश्चिम रेलवे पर पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। स्लोगन प्रतियोगिता में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस प्रतियोगिता को बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला। स्लोगन प्रतियोगिता हिंदी और अंग्रेजी श्रेणियों में आयोजित की गई थी, जिसका विषय था 'पश्चिम रेलवे और आजादी का अमृत महोत्सव'। प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन पुरस्कार घोषित किए गए और विजेताओं को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कंसल और पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती तनुजा कंसल द्वारा नकद पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इसके बाद वर्ष 2020-2021 में पश्चिम रेलवे द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। इस लघु फिल्म् में यह दर्शाया गया है कि किस प्रकार कोरोना काल में पश्चिम रेलवे ने इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटते हुए दर्शन के सिद्धांतों पर चल इसे अवसर में बदल उपलब्धियाँ हासिल की। इसके बाद पश्चिम रेलवे के विकास और समृद्ध विरासत पर एक और लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म में वर्ष 1855 में पश्चिम रेलवे की विनम्र शुरुआत से लेकर आज तक की पश्चिम रेलवे की प्रगति को खूबसूरती से चित्रित किया, जिससे देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी योगदान मिला।

श्री ठाकुर ने कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने के लिए और पश्चिम रेलवे के समृद्ध और गौरवशाली अतीत को उजागर करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष अभियान चलाए गए। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पश्चिम रेलवे पर ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के स्थानों पर विभिन्न इन्फोग्राफिक वीडियो और वेब कार्ड साझा किए गए।